GOVERNMENT OF KARNATAKA

KARNATAKA STATE PRE-UNIVERSITY EDUCATION EXAMINATION BOARD

II YEAR PUC EXAMINATION - 2017

SCHEME OF VALUATION

Subject Code : 03 Subject : HINDI - N.S

Qn. No.		Marks
I अ]	एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर :	
1.	आडम्बर से ।	1
2.	धर्म का ।	1
3.	शीला अग्रवाल ।	1
4.	शाम नाथ ।	1
5.	धर्मराज ।	1
6.	तोदायजी ।	1
आ]		
7	सुजान के हाथों से धीरे-धीरे अधिकार छीने जाने लगे। किस खेत में क्या बोना है, किसको क्या देना है, किसको क्या लेना है, किस भाव से क्या चीज बिकी, ऐसी-ऐसी महत्वपूर्ण बातों में भी भगतजी की सलाह न ली जाती थी। भगत के पास कोई जाने ही न पाता। दो लड़के तथा कुलाकी दूर ही से मामला तय कर लिया करते थे। गाँव भर में सुजान का मान-सम्मान बढ़ता था, लेकिन अपने ही घर में घटता था।	3
8	झूठ की उत्पत्ति पाप, कुटिलता और कायरता के कारण होती है। बहुत से लोग अपने सेवकों को स्वयं झूठ बोलना सिखाते हैं। लोग नीति और आवश्यकता के बहाने झूठ	

P.T.O

Qn. No.		Mark
	की रक्षा करते हैं। कुछ लोग झूठ बोलने में अपनी चतुराई समझते हैं और सत्य को छिपाकर धोखा देने या झूठ बोलकर अपने को बचा लेने में ही अपना परम गौरव मानते हैं। झूठ बोलना और भी कई रूपों में दिखाई पड़ता है। जैसे- चुप रहना, किसी बात को बढ़ाकर कहना, किसी बात को छिपाना, भेद बदलना, झूठ-मूठ दूसरों के साथ हाँ में हाँ मिलाना, प्रतिज्ञा करके उसे पूरा न करना और सत्य को न बोलना, इत्यादि।	3
9.	राजनीति के क्षेत्र में लोग आपस में लड़ रहे हैं। दल से दल लड़ता है। असली झगड़ा कुर्सी का है। कुर्सी का मतलब है शक्ति और शक्ति का मतलब धन, वैभव, सम्मान, आदि। एक बार जबान पर इन बातों का स्वाद चढ़ जाए तो फिर कुछ भी अच्छा नहीं लगता। इसके छीने जाने पर लोग ऐसे भटकते हैं, जैसे मजनू लैला के पीछे।	3
10.	विश्वेश्वरय्या की ख्याति तथा पदोन्नति देख कुछ इंजीनियर उनसे ईर्ष्या करने लगे थे। इसके दो कारण थे, एक तो विश्वेश्वरय्या की उम्र उस वक्त केवल सैंतालीस की थी और दूसरी वे अनेक पुराने तथा सीनियर इंजीनियरों से वेतन तथा पद की दृष्टि से भी आगे बढ़ गये थे। वे सूपरिन्टेंडिंग इंजीनियर पहले से ही थे। इस पर भी हर बात में उनकी सलाह ली जाती थी। इस प्रकार अपने ही पेशे के लोगों में असंतोष देख विश्वेश्वरय्या ने एक दिन अचानक नौकरी से	3

Qn. No.		Marks
	इस्तीफा दे दिया।	
11.	जबलपुर शहर में धमाफुर मुहल्ले में नाले के किनारे एक डेढ़ कमरे के टूटे-फूटे मकान में भोलाराम अपने परिवार के साथ रहता था। उसकी एक स्त्री, दो लड़के और एक लड़की थी। उम्र साठ सात का, सरकारी नौकर था। गरीब आदमी था। पाँच सात पहले रिटायर हो गया था, पर पेंशन अभी तक नहीं मिली थी। हर दस-पंद्रह दिन में दरख्वास देता था। पर वहाँ से या तो जवाब आता ही नहीं था और आता तो यही कि तुम्हारे पेंशन के मामले पर विचार हो रहा है। भोलाराम के पास दफ्तर के लोगों को खुश करने के लिए कुछ नहीं था। बस, सब विक जाने के बाद, चिन्ता में घुलते-घुलते और भूखे मरते-मरते उसने दम तोड़ दिया।	3
II अ]	निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे?	
12.	भोला ने बुलाकी से कहा।	1
13.	डॉ. अंबालाल ने लेखिका के पिता से कहा।	1
14.	शामनाथ ने चीफ़ से कहा।	1
15.	चित्रगुप्त ने धर्मराज से कहा।	1
आ]	निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण:	
	P.T.O	

Qn. No.		Mark
16.	संदर्भ / प्रसंग : प्रस्तुत वाक्य को "सुजान भगत" नामक पाठ से लिया गया है। इसके लेखक हैं — "प्रेमचन्द"	1
	व्याख्या / स्पष्टीकरण : एक बार जब गया के यात्री सुजान के यहाँ ठहरे तो, सुजान ने कहा कि उसकी भी बहुत दिनों से इच्छा थी कि गया जाए। बुलाकी ने अगले साल देखेंगे, हाथ खाली हो जाएगा, ऐसा कहा। तब सुजान ने अगले साल का क्या भरोसा, धर्म के काम को टालना नहीं चाहिए, ऐसा कहते हुए इस वाक्य को कहा।	2
17	संदर्भ / प्रसंग : इस वाक्य को "मन्नू भंडारी" से लिखित "एक कहानी यह भी" पाठ से लिया गया है।	1
	व्याख्या / स्पष्टीकरण : एक दिन शाम को जब कॉलेज के विद्यार्थी चौराहे पर भाषणबाजी कर रहे थे, जिस में मन्नू ने भी भाषण दिया था, तब अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित डॉ॰ अंबालाल ने वह भाषण सुनकर, मन्नू के पिताजी के पास आकर उसकी तारीफ करने लगे कि क्या तुम घर में बैठे हो, "यू हैव मिस्ड समथिंग।" उन्होंने मन्नू के पिताजी को बधाई दी तब पिताजी का संतोष गर्व में बदलता जा रहा था।	2

Qn. No.		Marks
18.	प्रसंग/संदर्भ : इस वाक्य को "चीफ़ की दावत" कहानी से लिया गया है। इसके लेखक हैं — भिष्म साहनी"।	1
	व्याख्या : शामनाथ के घर चीफ़ की दावत थी। वे नहीं चाहते थे कि चीफ़ की नजर उनकी माँ पर पड़े। लेकिन बरामदे में बैठीं शामनाथ की माँ को देख चीफ ने आगे बढ़कर दाँया हाथ मिलाकर — हाउ डू यू डू ? कहा। माँ के दाँये हाथ में जपमाला होने के कारण, घबराहट में माँ ने बाँया हाथ टी साहब के हाथ में दे दिया और कहा- हाउ डू डू। शामनाथ को गुस्सा आया, सब लोग हँसने लगे। लेकिन साहब ने स्थिति सँभाल ली। शामनाथ का गुस्सा भी कुछ-कुछ कम होने लगा था। तब शामनाथ ने चीफ साहब से इन वाक्यों को कहा।	2
19	प्रसंग/संदर्भ : इस वाक्य को "यात्रा जापान की" नामक पाठ से लिया गया है। इसकी लेखिका है — "ममता कालिया"।	1
	व्याख्या/स्पष्टीकरण : तोक्यो विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा अध्ययन विभाग में आयोजित सम्मेलन तथा ओसाका विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में भाग लेने के लिए लेखिका जापान गयी थीं। उद्घाटन कार्यक्रम शुरू होने के पूर्व लेखिका और त्रेइचा मित्र वाशरूम गए थे। वहाँ एक दिलचस्प नजारा देखा। बहुत सारी लड़कियाँ अपने पर्स से ब्रश और पैस्ट निकालकर एक	2

P.T.O

Qn. No.		Mark
	कतार में खड़ी थीं। पूछने पर पता चला कि वहाँ की लड़कियाँ हर बार खाना खाने के बाद दाँत साफ करती हैं। तब लेखिका ने कहा — जापान में किसी के दाँत कभी खराब होते ही नहीं होंगे। यहाँ तो डेंटिस्ट मक्खी मारते होंगे।	
III अ]	एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर :	
20.	सब मित्रों ने / सखा ने।	1
21.	हरे रंग की।	1
22.	बंधन सा।	1
23.	देश के दुश्मनों से।	1
24	कन्नड़ नाडु में।	1
25.	परदों की तरह।	1
आ]	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर :	
26.	सूरदास ने कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन किया है। गोपिकाओं ने कृष्ण को जमुना नदी के किनारे देखा है। कृष्ण ने मोर मुकुट पहना है, उनके कान के कुंडल मकराकृत के हैं, शरीर पर चंदन लगाया है, पीले वस्त्र पहना है। कृष्ण का ऐसा रूप देखकर गोपिकाओं की आँखों की प्यास बुझ गई, आँखें तृप्त हो गई। हृदय की ज्वाला भी बुझ गई। प्रेम में पागल गोपिकाओं का हृदय भर आया, उनके मुँह से शब्द भी नहीं निकल रहे हैं। कृष्ण से मिलने जा रही नारियाँ लज्जा रही हैं। सूरदास कहते हैं — कृष्ण तो अंतर्ज्ञानी हैं। वे इन गोपिकाओं की मन की बात समझ सकते हैं।	3.

Qn. No.		Marks
27.	गहने कविता के द्वारा कवि यह कहना चाहते हैं कि नैसर्गिक सुंदरता ही असली सुंदरता है। सुंदर दिखने के लिए सोने-चाँदी के गहने पहनना जरूरी नहीं है। गहने बहुत महँगे भी होते हैं। माँ-बाप अपनी सारी मेहनत की कमाई गहने खरिदने में खर्च करते हैं। कुछ बच्चों को गहने पसंद नहीं आते, न ही वे रंगबिरंगे कपडे पहनना चाहते। क्योंकि वे स्वच्छता से मिट्टी में खेल नहीं सकते न ही निर्भयता से खेल सकते हैं। माता की ममता से ही बच्चे संतुष्ट हो जाते हैं और वे प्राकृतिक रूप से सुन्दर दिखाई देते हैं।	3
28.	वृक्ष के कट जाने से कवि कुँवर नारायण उसकी याद में भावुक हो जाते हैं। वे कहते हैं, मुझे डर था कि कोई दुश्मन इस पेड को काट न दे। अब सवाल एक पेड का नहीं, सारे पर्यावरण का है। अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोग पेडों को काट रहें हैं। इन लूटेरों से अब हमें बचाना है। इन आतंक फैलाने वालों से अपने शहर को बचाना है। अपने देश को इन गद्दारों से बचाना है। आज वे इन पेडों को काट रहे हैं, कल ये लूटेरे सारे देश को लूटेंगे, नहीं तो एक दिन ये नदियाँ नाले जैसे बन जाएँगे, हवा धुँआ बन जाएगी, साँस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। खाना भी जहर हो जाएगा, जंगल कट जाएँगे और वहाँ मरूस्थल बन जाएगा। सभी मनुष्य जानवर जैसा व्यवहार करने लगेंगे। इसलिए हमें सब को बचाना चाहिए।	3
29.	भारत के दक्षिण भाग को कवि ने रत्नों की खान कहा है।	

P.T.O

Qn. No.		Marks
	जहाँ बहुत से कलाओं को सहारा मिला है। तमिल नाडू के महाकवि कम्ब ने रामायण लिखा है। केरल और आन्ध्रप्रदेश में भारत की सभ्यता और संस्कृति का विकास दिखाई देता है। महाराष्ट्र तो मराठा राजा शिवाजी, उसकी वीरता की गाथा से भरा पड़ा है। कर्नाटक की मलयज शीतल और सुगन्धित वायु भी यहाँ विचरती है। इस तरह की विशेषताओं वाला दक्षिण प्रदेश भारत का ही अंश है, जहाँ वीरों और संतों का जन्म हुआ है।	3
इ]	ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण :	
30.	संदर्भ: पद्य का नाम : रैदास वाणी कवि का नाम : संत रैदास	1
	स्पष्टीकरण : रैदास अपने आपको राम के प्रति समर्पित कर कह रहे हैं कि प्रभु तुम और मैं अलग कैसे हैं? हम तो एक दूसरे में समा गए हैं। जहाँ आप हैं, वहाँ मैं हूँ। हम एक हो गए हैं। राम नाम की रट से अब मैं कैसे छुटकारा पाऊँ? हे प्रभु! तुम चंदन की तरह हैं और मैं पानी की तरह। मैं ने अपने शरीर पर चंदन का लेप लगा लिया है अर्थात् आप की भक्ति में समा गया हूँ। इसलिए मेरे अंग-अंग में आपकी सुगंध समा गई है। अब हम दोनों अलग कैसे हो सकते हैं?	3
	अथवा	
	संदर्भ — पद्य का नाम : रहीम के दोहे कवि का नाम : रहीम	1
	स्पष्टीकरण : रहीम इस दोहे में एक उदाहरण देते	

Qn. No.		Marks
	हुए समझा रहे हैं कि आकार बड़ा हो या छोटा, उससे क्या होता है? कभी-कभी छोटा ही बड़े काम का होता है। जैसे- सागर इतना बड़ा होता है, उसमें कितना पानी रहता है, लेकिन क्या फायदा? जिससे किसी की भी प्यास नहीं बुझती। उससे तो नदी-नाले या कीचड़ से भरा तालाब ही भला है, जहाँ छोटे-बड़े सारे जीव अपनी प्यास बुझा लेते हैं।	3
31.	संदर्भ : कविता का नाम : अधिकार कवयित्री का नाम : महादेवी वर्मा	1
	स्पष्टीकरण : महादेवी वर्मा इन पंक्तियों में कहती हैं कि जिस लोक में अवसाद नहीं, वेदना नहीं, ऐसे लोक को लेकर क्या होगा? जो खुद अपने लिए जीता है, उसका जीना भी क्या? जो परिस्थितियों से डटकर सामना करता है, वही असली जीना जीता है। जिसमें आग नहीं; जिसने जलना नहीं जाना, उसका जीना भी क्या? वह तो खुशी से मर-मिटना भी नहीं जानता। जो दुःख का सामना करना जानता है, मर-मिटना जानता है, वही मुसकुराना भी जानता है।	3
	अथवा	
	संदर्भ : कविता का नाम : कायर मत बन कवि का नाम : नरेन्द्र शर्मा	1
	स्पष्टीकरण : कवि कह रहे हैं — हे मनुष्य! तुम कुछ भी बनो बस कायर मत बनो। अगर कोई दुष्ट या क्रूर व्यक्ति तुमसे टक्कर लेने खड़ा हो जाए, तो उसकी ताकत से डरकर तू पीछे मत हटना। पीठ दिखाकर भाग न जाना।	

P.T.O

Qn. No.		Mark
	संसार में कई ऐसे महापुरूष जन्मे हैं, जिन्होंने प्यार और सेवाभाव से दुष्टों के दिल को भी जीत लिया या पिघलाया है। क्योंकि हिंसा का जवाब प्रतिहिंसा से देना नहीं। प्रतिहिंसा भी दुर्बलता ही है। लेकिन कायरता तो उससे भी अधिक अपवित्र है। इसलिए हे मानव! तुम कुछ भी बनो लेकिन कायर मत बनो।	3
IV अ]	एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर :	
32.	दस वर्षों से।	1
33.	दर्प की मात्रा।	1
34.	समय पर।	1
35.	भारवि ने।	1
36.	पुत्र-हत्या नहीं।	1
आ]	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर :	
37.	छोटी बहू बेला अभी-अभी शादी कर घर आई है। वह बड़ेबाप की एकलौती बेटी है। बहुत पढ़ी-लिखी भी है। घर की अन्य महिलाएँ सीधी-सादी हैं। इन्दु ही सबसे अधिक पढ़ी-लिखी समझी जाती थी और घर में उसकी ही खूब चलती थी। लेकिन छोटी बहू बेला जब से घर में आई, तब से घर में तनाव बढ़ने लगा। दस साल से जो मिश्रानी उनके घर काम कर रही थी, उसे बैठक साफ करने तक का तरीका नहीं है, कह कर बेला ने उसे निकाल दिया। बेला हमेशा अपने मायके की ही तारीफ करती थी, जैसे यहाँ सब लोग मूर्ख और गंवार हैं। इसी बात को लेकर	

Qn. No.		Marks
	इंदु और बेला के बीच झगड़ा हुआ। बेला का कहना था कि, सिर्फ झाड़ू करने से कमरा थोड़े ही साफ़ होता है। ऐसे फूहड़ नौकर को उसके मायके में दो घड़ी भी न टिकने देते। इन बातों से इन्दु को अपनी भाभी पर क्रोध आया।	5
	अथवा	
	बेला परेश की पत्नी है जो लाहौर के एक प्रतिष्ठित तथा संपन्न कुल की सुशिक्षित लड़की है। उसे बहुत से लोगों के बीच रहने की आदत नहीं है और उसे पसंद भी नहीं है। उसे आज़ादी चाहिए, बड़ों का हस्तक्षेप नहीं। घर की अन्य औरतें, जो हमेशा काम करती रहती हैं, उसे पसंद नहीं; उसने मिस्रानी रजवा को गवाँर कह कर निकाल दिया। उसे अपने कमरे का पुराना फर्निचर पसंद नहीं, दादा जी से भेजा हुआ मलमल का थान, आदि उसे पसंद नहीं। वह आधुनिक काल की है। दादाजी के कहने पर जब सब लोगों का व्यवहार उसके प्रति बदल गया तो उसे भी पछतावा होता है और वह गृह-कार्य में सहयोग देने लगती है।	5
38.	भारवि महाकवि था, शास्त्रार्थ में सारे पंडितों को हराया था। लेकिन जब उसके मन में अहंकार बढ़ गया, तब उसके पिता उन्हीं पंडितों के सामने उसे अपमानित करते हैं। जिन पंडितों को वह हराया था, वे ही उसका परिहास करते थे। पिता ने पंडितों के सामने भारवि को मूर्ख, अज्ञानी, आदि कहा। उसकी निन्दा की। भारवि, क्रोध और ग्लानि से भर गया। उसने समझा कि जब तक उसके पिता जीवित रहते हैं, तब तक वह	5

P.T.O

Qn. No.		Marks
	ऐसे ही अपमानित होता रहेगा। इसलिए, भारवि पिता से बदला लेना चाहता था।	
	अथवा	
	भारवि के पिता श्रीधर के मन में पुत्र के प्रति मंगल कामना छिपी थी। वे चाहते थे कि उनका पुत्र और भी बड़ा विद्वान और यशस्वी बने। अहंकारी नहीं। इसीलिए, पिता पुत्र को सब पंडितों के सामने उसे लांछित किया, ताकि पुत्र के अहंकार का दमन हो जाय। भारवि को अपने पिता पर क्रोध आता है और वह बदला लेना चाहता था। वह अपने पिता की हत्या करना चाहता है। लेकिन जब भारवि को अपने पिता के मन की मंगल कामना की बात का ज्ञान हो जाता है, तब वह प्रायश्चित करना चाहता है। भारवि अपने पिता के सामने कहता है, कि पिता की हत्या के बारे में सोचने वाला पापी पुत्र को प्रायश्चित करना है। तब उसके पिता कहते हैं कि उसका पश्चाताप ही प्रायश्चित है। इसे भारवि नहीं मानता और कहता है कि उसके मन की शांति के लिए शास्त्रानुसार दण्ड की व्यवस्था करें। वह उसी क्षण से प्रायश्चित करना चाहता है।	5
V. अ)	वाक्य शुद्धि:	
39.	(i) मेरे तो प्राण निकल गये।	1
	(ii) संदीप से पूछो।	1
	(iii) यह एक ऐतिहासिक घटना है।	1
	(iv) कोयल डाली पर बैठी है।	1

Qn. No.		Marks
41]	कोष्ठक में दिए गए उचित शब्दों से रिक्त स्थान की पूर्ति:	
	(पावन, भला, समाज, समय)	
40	(i) भला	1
	(ii) समय	1
	(iii) पावन	1
	(iv) समाज	1
ई]	निम्नलिखित वाक्यों को सूचनानुसार बदलिए:	
#1	(i) वसुंधरा गाना गा रही है। / वसुंधरा गाना गाती है।	1
	(ii) उसने आग चिता पर रख दिया।	1
	(iii) पृथ्वीराज देश की सेवा करेगा।	1
ई]	मुहावरों को अर्थ के साथ जोड़ना:	
42.	(i) खिल्ली उड़ाना — हँसी उड़ाना।	1
	(ii) मुँह फुलाना — रूठ जाना।	1
	(iii) टोपी उछलना — अपमानित करना।	1
	(iv) दाल न गलना — सफल न होना।	1
उ]	अन्य लिंग रूप:	
43.	(i) श्रीमती — श्रीमान	1
	(ii) गाय — बैल	1
	(iii) पुत्रवान — पुत्रवती	1
ऊ]	44 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द:	
	(i) निम्नलिखित	1

P.T.O

Qn. No.		Marks
	(ii) दत्त पुत्र / दत्तक पुत्र ।	1
	(iii) गुप्त / गोपनिय / रहस्यमय ।	1
ए) 45	उपसर्ग जोड़कर नए शब्दों का निर्माण :	
	(i) स + परिवार = सपरिवार	1
	(ii) प्र + शासन = प्रशासन / अनु + शासन = अनुशासन	1
ऐ) 46	शब्दों में से प्रत्यय को अलग करना :	
	(i) बलवान — बल + वान	1
	(ii) घुमाव — घुम + आव	1
V अ)	निबंध के प्रमुख तत्व :	5
47.	(i) प्रस्तावना ।	
	(ii) इंटरनेट की दुनिया — अर्थ, महत्व, विस्तार, लाभ-हानी ।	
	खेल — महत्व, प्रकार, क्रिकेट का ; स्थान, आदि ।	
	राष्ट्रीय एकता — राष्ट्र का स्वरूप, राजकीय, आर्थिकता, सामाजिकता, धार्मिकता, संस्कृति आदि में एकता ।	
	(iii) लेखन शैली, शुद्ध हिन्दी भाषा, शब्दों तथा वाक्यों के प्रयोग करने पर ध्यान देना ।	
	(iv) उपसंहार ।	
	अथवा	
	पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें :	5
	(i) स्थान और दिनांक	
	(ii) संबोधन और अभिवादन, जैसे — संबोधन — प्रिय, पुज्यनीय श्रीमान, आदि । अभिवादन — नमस्कार, आशीर्वाद, सादर प्रणाम आदि	

Qn. No.		Marks
	(iii) पत्र का विषय : पत्र के विषय को तीन प्रमुख भागों में बाँट दिया जाता है — ① आरम्भ ② मध्य ③ अंत ।	
	(iv) समाप्ति : आपका, तुम्हारा, आदि तथा हस्ताक्षर ।	
	(v) पत्र पाने वाले का पता ।	
आ]	अनुच्छेद पर आधारित प्रश्नों के उत्तर :	
48	(i) समय बलवान है, इस पर किसी का वश नहीं चलता।	1
	(ii) कोई भी व्यक्ति दूसरों के सहारे न तो कल रह सका है, न आज रह पा रहा है, न ही भविष्य में रह सकता है।	1
	(iii) प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह प्रतिदिन जितनी भी अधिक-से-अधिक बचत करता रहे।	1
	(iv) धन की कमी से सुखपूर्वक तो क्या सामान्य जीवन भी जी पाना कतई संभव नहीं है।	1
	(v) व्यक्ति अपने सभी तरह के स्रोतों से आज और कल में संतुलन बनाए रखकर ही सुख-चैन से जीवन जी सकता है।	1
इ]	हिन्दी में अनुवाद :	
49	(i) भारत में कई भाषाएँ बोली जाती हैं।	1
	(ii) विद्यार्थी जीवन ही स्वर्णिम जीवन / स्वर्ण युग है।	1
	(iii) अपर्णा बहुत सुन्दर है।	1
	(iv) क्या हम बिना मोबाइल के जी नहीं सकते?	1
	(v) राजू जून में कॉलेज छोड़ने वाला है।	1

—×— ×—